विचारों का क्रियान्वयन

कपड़े से मानव गरिमा तक पहुंचने का गूंज का 22 वर्षों का सफ़र परिणाम है लोगों से उनकी बेहतर सेवा करने के लिए सीखने हेतू हमारे दिल और दिमाग को लगातार खुला रखना, कोविड ने लोगों से सीखने और अपने काम को अनुकूलित करने का एक और अवसर प्रदान किया।

आज हम अपनी कुछ कार्यवाहियों और लोगों की बदली हुई वास्तविकताओं के प्रति बेहतर प्रतिक्रिया देने के लिए कुछ नए दृष्टिकोणों के साथ किए गए प्रयोगो को साझा करते हैं

हम वहां हैं... हमें जरुरत आपकी भी है..

मुख्य बिंदु

27 राज्यो एवं केंद्रशासित प्रदेशों में

11.40 मिलियन टन राशन एवं अन्य जरूरत की चीजे पहुंचाई

289,000 किलोग्राम ताजा फल एवं सब्जियां पहुंचाई

1.10 मिलियन मास्क

1.40 मिलियन सैनिटरी नैपकिन

चिकित्सा संबंधी-

पी. पी. ई किट, ऑक्सीजन सिलेंडर/ सांद्रक

गरिमा के साथ कार्य के तहत अपनी जड़ों तक वापस जाना ।

कौन - ग्रामीण समुदाय

हमारी प्रमुख पहल गरिमा के लिए कार्य(Dignity for work) लोगों को उनके स्वयं के उपेक्षित विकास मुद्दों पर काम करने के लिए प्रेरित और सशक्त बनाती है

क्या- स्थानीय समस्याओं के लिए स्थानीय समाधान।

स्थानीय ज्ञान, संसाधनो और प्रयासों पर आधारित स्थानीय उपेक्षित मुद्दों के समाधान का प्रयास। कोई बाहरी हस्तक्षेप नहीं, कोई मौद्रिक विनिमय नहीं।

आपदा के बाद लोग भी क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मरम्मत के लिए एक साथ आते हैं, लोग आसान पहुंच के लिए पुलों का निर्माण करते हैं, साफ़ पानी के लिए तालाब साफ करते है, बैंडस्टैंड आदि बनाते हैं ।

इसका परिणाम गरिमा और लोगों एवं प्रकृति को स्थायी तरीके से दिया गया मूल्य है

कहाँ - ग्रामीण भारत

भारत के सबसे दूरस्थ और अनदेखे भौगोलिक क्षेत्रों में लोग- उदाहरण के लिए जम्मू और कश्मीर के ऊंचे स्थानो में घुमंतू समुदाय, उत्तराखंड सीमा पर प्रवासी श्रमिक, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के आदिवासी या सुंदरवन पश्चिम बंगाल, मिजोरम और असम के दूरदराज के गांवों में जहां हम देखते हैं कि बहुत कम अन्य प्रयास किए जा रहे हैं। .

वापसी के साथ ग्रामीण आजीविका को बनाए रखना

वापसी के साथ ग्रामीण व्यवसायों को बरकरार रखना।

क्या - स्थायी आजीविका

परीक्षण के बाद समुदायों में लागू किए गए विचार उन्हें स्वतंत्र होने के लिए सशक्त बनाते हैं, हमारा ध्यान जीवनी के सह-निर्माण पर है जो लोगों को अपनी पसंद या ईच्छा अनुसार जीवन व्यतीत करने हेतू सक्षम बनाता है

कैसे- जीवन को बेहतर बनाने के लिए कौशल का मिलाप करना।

अपने स्वयं के जीवन में सुधार करके क्षेत्र की आवश्यकता के लिए

लोगों के कौशल ज्ञान और आकांक्षाओं का मिलान स्थानीय जरूरतों से करके और उनको प्रारंभिक समर्थन प्रदान कर और रिक्त स्थानों को भर कर उनके जीवन में सुधार लाना ।

यह विचार पूरे भारत में ग्रामीण समुदायों के साथ खड़े होने के गूंज के मूल्य को दर्शाता है।

कब- वर्षभर

'वापसी' यह आपदा से प्रभावित स्थानीय लोगो को कम निवेश वाले ग्रामीण व्यवसायों से जोड़ने के बारे में है

आपदा प्रतिक्रिया और राहत से गरिमा और विकास तक की यात्रा

क्या - राहत/ पुनर्निर्माण

आपदा के बढ़ते प्रकोप ने लोगों के साथ खड़े होने की हमारी प्रतिबद्धता को और गहरा कर दिया है। हमारा काम महत्वपूर्ण रिक्त स्थान को भरने और आपदा प्रभावित लोगों को अपने लिए एक मजबूत बुनियादी ढांचे की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए जागरूक करने पर केंद्रित है।

कैसे- मूलभूत वस्तुओं को पहुंचा कर।

जरूरत की चीजों का पता करना तथा आपदा प्रभावी लोगो तक पहुंचना, जिसमें ट्रैंपोलिन से लेकर खाने के लिए तैयार स्नैक्स, सूखे राशन, बर्तन, आवश्यक कपड़े, सोलर लाइट आदि शामिल हैं।

आपदा प्रभावित लोगों को उनके जीवन में सुधार कर एक नए सिरे से शुरूआत करने के लिए प्रेरित कर रहे है।

कब -आपदा के दौरान/ बाद

जब भी कोई आपदा आती है, गूंज उस पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए भारत वर्ष में फ़ैले नेटवर्क को सक्रिय करती है इस वर्ष राहत प्रयासों में भूख और चिकित्सा मुद्दों पर साथ में कार्य कर रही है। यह धीरे-धीरे दीर्घकालिक विकास में परिवर्तित हो जाएगा और बड़े पैमाने पर सामुदायिक पुनर्वास को संगठित करने का काम करेगा।

उपेक्षित एवम् छूटे हुए लोगों के साथ खड़ा होना।

कौन - समाज का कमजोर वर्ग

छूटे हुए समुदायों के साथ काम करना मुख्य रूप से ट्रांसजेंडर, एचआईवी पॉजिटिव, दिव्यांग, कुष्ठ रोग प्रभावी, यौनकर्मी आदि।

क्या -उपेक्षित लोगों एवं समुदायों के साथ खड़ा होना।

गूंज में एक मुख्य प्रथा -किसी भी आपदा से प्रभावित समुदायों का पुनर्वास करना है।

कैसे - उनकी जरूरतों को पूरा करने वाली स्थितियों पर काम करना

इन समुदायों के साथ हमारे काम में उन समुदायों की बात एवम् दिक्कते सुनने और समाधान के लिए साथ काम करना शामिल है जो अन्यथा समाज के दायरे में रहते हैं

खेतों से ताजा- गांव से गांव तक

कौन -किसान

महामारी के दौरान किसान सबसे ज्यादा प्रभावित समुदायों में से हैं

क्या - जीवनी सुरक्षित करना।

अपने अधिशेष उत्पाद को बेचने के लिए कहीं जगह नहीं होने के कारण वे नुकसान में थे। गूंज ने किसानों से उचित बाजार मूल्य पर थोक में उपज खरीदना शुरू कर दिया और इसे स्थानीय स्तर पर समुदायों तक पहुंचाना शुरू कर दिया।

कैसे- बाजार मूल्य पर खरीदना।

पूरे भारत में ज़रूरतमंद परिवारों को अतिरिक्त पोषण और बुनियादी खाद्य सामग्री प्रदान करने के लिए गूंज की खाद्य सामाग्री किट में फल सब्जी आदि को जोड़ा जाने लगा।

प्रकृति और लोगों को केंद्र में साथ लेकर गांव को जीवंत बनाना

कौन- ग्रामीण समुदाय

गांव की जरूरतों के लिए वापसी पहल के तहत घर में ही रसोई उद्यान, स्थानीय बाजार (हाट) और स्थानीय व्यवसाय के अवसरों के माध्यम से ग्रामीण समुदायों की जरूरतों को पूरा करने का कार्य किया जा रहा हैं।

क्या- रसोई उद्यान

सामुदायिक आजीविका कार्य स्थानीय उपभोग के लिए सेवा और उत्पादन के इर्द-गिर्द बुना जाता है

कैसे-

हम लोगों के साथ उनकी गरिमा का, क्षमता एवम् सपनो का सम्मान करते हुए बात करते हैं कि वह क्या जानते है , उनके पास क्या है और क्या करना चाहते है ।

गूंज प्रारंभिक समर्थन प्रदान करता है और लोग इसे लंबे समय तक बनाए रखते हैं।

भूख मिटाने के प्रयासों का समर्थन

कौन- प्रवासी मजदूर, भूमिहीन दिहाड़ी मजदूर

क्या- खाद्य सुरक्षा

राशन किट, भारत भर में खिचड़ी ढाबा और सामुदायिक रसोई।

कैसे- लोगों के साथ खड़े होने और राशन और अन्य आवश्यक चीजों को लोगों तक पहुंचाने, शुरू करने और सड़कों पर लोगों के लिए तैयार भोजन उपलब्ध कराने के लिए लोगों द्वारा चलाए जा रहे ढाबों और सामुदायिक रसोई में राशन सहायता प्रदान कर।

क्यों - भूख मिटाने के लिए

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे भारत में सब्जियों और तैयार भोजन के साथ राशन उपलब्ध कराना।

ग्रामीण स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाना ।

कौन- स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवम् परिवार।

हेल्थकेयर वर्कर्स, आवश्यक सेवा प्रदाताओ, परिवारों और बुनियादी चिकित्सा आवश्यकताओं वाले लोगों तक चिकित्सा सहायता पहुंचाना।

क्या - चिकित्सा हस्तक्षेप

आवश्यक वस्तुएं पहुँचाना जैसे पीपीई किट, थर्मामीटर, हेल्थ केयर वर्कर किट और फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ व आशा कार्यकर्ता के लिए आवश्यक सामग्री , कोविड अलगाव केन्द्रों को भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बनाने व बनाने में सहायता प्रदान करना। परिवारों को दवाइया तथा फेस मास्क आदि आवश्यक चीजे पहुंचाना।

कब- कोविड़ की दूसरी लहर

2021 ने भारत को शहरों में अपने नागरिकों की स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करते देखा, गांवों के हालत को तो छोड़ ही दें।

व्यक्तिगत प्रयासों और नागरिक समाज के पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन

कैसे- संसाधन जुटाना

जमीनी संगठनों के संसाधनों की कमियों को दूर करना, प्रयास, क्षमता और कनेक्शन किसी भी तरह, आकार या रूप में ताकि उनका काम फले-फूले । वाहनों, कार्यालय की जगह, मौद्रिक सहायताकर्ता , आदि साझा करना तथा सीधे समर्थन देना।

क्या- शहरी- ग्रामीण साझेदारी

गूँज का काम ग्रामीण और शहरी भारत में साझेदारी और सहयोग के एक नेटवर्क पर बनाया गया है, जो विभिन्न संस्थाओं और व्यक्तियों को उनकी ताकत के स्थान से कार्यवाही करने सहायता प्रदान करता है।

शहरों में हम समाज के हर एक हिस्से के साथ साझेदारी करते हैं FMCs, कम्पनियों, संस्थान, व्यक्तियों को जिससे वह अनुपयोगी चीजों को मोड़ने के लिए रिवर्स सप्लाई चेन, रीसाइक्लिंग और सर्कुलर इकोनॉमिक मॉडल द्वारा उनके बुनियादी ढांचे का उपयोग करके कचरे का निपटान करे।

यह ग्रामीण समुदायों के साथ उनके आख्यान को मजबूत करता है उनकी पूंजी का निर्माण करता है और उनके कार्य और कार्य रणनीति को सीधे प्रभावित करता है

कहाँ – पैन इंडिया

आपदाओं में पैन इंडिया साझेदारी का यह नेटवर्क एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि हम इसका उपयोग बड़े पैमाने पर तत्काल आवश्यक एवम् आपदा राहत समय के अन्तर्गत पहुंचा पाते हैं।

महिलाओं की मासिक धर्म की बुनियादी जरूरतों के लिए उनके के साथ खड़े होना

कौन- ग्रामीण भारत में महिलाएं

क्या- मासिक धर्म स्वास्थ्य

मासिक धर्म एक मानवीय मुद्दा है न कि एक महिला के मुद्दे के रूप में और यही कारण है कि मासिक धर्म के दौरान महिलाओं की बुनियादी जरूरतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है, यह "केवल कपड़े का एक टुकड़ा नहीं है (Not Just a piece of cloth)" की पहल के द्वारा हम लोगों से सुरक्षित मासिक धर्म, स्वच्छता, व प्रथाओं के बारे में बात करते हैं और मासिक धर्म के आसपास कलंक और वर्जनाओं को दूर करने का प्रयास करते हैं

कैसे- जागरूकता, पहुंच, वहनीयता

पहुंच जागरूकता और वहनीयता इन तीन पर हमारे ध्यान के साथ- मेरा पैड (My pad) बनाने के लिए अधिशेष शहरी सूती कपड़े का पुनर्चक्रण, आदि पर भी कार्य किया जाता है। यह कई लोगों के लिए एक स्थायी और किफायती समाधान भी हैं। चुप्पी तोडो बैठक के माध्यम से मासिक धर्म के मुद्दों पर चर्चा और जागरूकता पैदा की जाती है।

क्यों -मासिक धर्म प्रबंधन समाधान प्रदान करने के लिए

महिलाओं तक पहुंचना पुन: प्रयोज्य कपड़े के पैड और अन्य आवश्यक चीजें हैं और उनसे उनकी मानसिक चुनौतियों के बारे में बात करना है

- **<u>कार्य क्षेत्र से जानकारी:</u>**

प्राथमिक सहयोग	**अप्रैल 20 से मार्च 21**	**अप्रैल 21 से जून 21**
राशन और अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई गयी|	9,400+टन	2000+ टन
परिवारों तक पहुंच	445,000	32,000+
तैयार भोजन चैनलाइज़ किया गया|	360,000+	54,000+
स्वास्थ्य रक्षा संबंधित पहल		
फेस मास्क	875,000	295,000
सैनिटरी पैड	1,300,000+	165,000
साझेदारी		
संगठन जिनके साथ हम कार्य कर रहे हैं	500+	300+
राज्य जिनमे हम कार्य कर रहे हैं	27	27
किसानो से सीधे तौर से फल और सब्जिया खरीदी गयी।	225000+	64,000+

- **कुल डिग्निटी फॉर वर्क (DFW) परियोजनाएं 10,000+**
  - **1,500+ सब्जी बागान लगाए गए**
  - **जल संसाधन सहयोग**
  - 400+तालाब
  - 800+ नहर
  - 1000+ निजी स्नानगर, एवम् शौचालयो का निर्माण |
- **चिकित्सीय हस्तक्षेप**
  - 20 आप अकेले नहीं हैं (स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र)
  - 70,000+ परिवारो तक दवाइयों की किट पहुंचाई गई।
  - 9,500+ स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं को किट प्रदान कि गई।
  - 30,000+ पी. पी. ई किट, ऑक्सीजन सिलेंडर/ सानद्रक

लाखों लोगों के लिए.. दाल-चावल ही ऑक्सीजन है जिन्दा रहने के लिए

हमारा साथ दें:

- सामग्री सहयोग के रूप में - https://bit.ly/2yR000h
- राशि सहयोग लिये- goonj.org/donate
- गूँज के लिए फण्ड रेजिंग कैंपेन शुरू करने के लिए हमे jibin@goonj.org पर मेल करे।
- पिछली डिग्निटी डायरी को पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें: http://bit.ly/2K1JH3e

संपर्क करे :

मुख्यालय : J-93, सरिता विहार, नई दिल्ली - 76

011-26972351/41401216

www.goonj.org

mail@goonj.org